न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ), जयपुर

पीठासीन अधिकारीः— डॉ. अशोक कुमार RAS
पंचायत निगरानी संख्या : 93 / 2018
पंचायत समिति आमेर जिला—जयपुर जरिये विकास अधिकारी।

निगरानीकर्ता,

बनाम

1. ग्राम पंचायत बिलौची, तहसील—आमेर, जिला—जयपुर जरिये सरपंच।
2. कजोडमल पुत्र श्री गणेश जाट, ग्राम पंचायत बिलौची, तहसील—आमेर, जिला जयपुर।

गैर—निगरानीकर्तागण,

(पंचायत निगरानी अन्तर्गत धारा 97 राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 विरूद्ध निर्णय दिनांक 22.09.2008 ग्राम पंचायत बिलौची, पंचायत समिति आमेर द्वारा ग्राम पंचायत में विपक्षी सं0 2 के पक्ष में जारी पट्टे के विरूद्ध यह निगरानी पेश की गई है।)

उपस्थितः—

1. श्री सत्यनारायण शर्मा, अभिभाषक, निगरानीकर्ता की ओर से।
2. गैर—निगरानीकार सं0 1 व 2 बावजूद सूचना अनुपस्थित। अतः इनके विरूद्ध एक—पक्षीय कार्यवाही की गई।

<u>निर्णय</u> **दिनांक : 31.03.2021**

यह निगरानी निगरानीकर्ता द्वारा अन्तर्गत धारा 97 राजस्थान पंचायती राज. अधिनियम, 1994 के अन्तर्गत दिनांक 22.09.2008 को निर्णय पारित कर ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा आवासीय भूमि का पट्टा सं0 883 जारी करने पर पेश की गई है।

पत्रावली दर्ज रजिस्टर की गई। निगरानी पेश होने पर गैर—निगरानीकारान को जरिये नोटिस तलब किया गया। ग्राम पंचायत बिलौची की ओर से सचिव दिनांक 26.10.2016 को उपस्थित हुए, परन्तु मूल रिकार्ड प्रस्तुत नही किया। गैर—निगरानीकार सं0 1 व 2 बावजूद सूचना अनुपस्थित। इनके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की गई।

हमनें विद्वान् अधिवक्ता निगरानीकार की एकपक्षीय बहस सुनी। दौराने बहस विद्वान् अधिवक्ता ने कथन किया कि ग्राम पंचायत बिलौची ने विधिक प्रावधानों को दरकिनार करते हुए नियम 146 स्थल निरीक्षण के अनुसार कोई निरीक्षण शुल्क की रसीद नही काटी गई ना ही नियम 146(1) के अनुसार प्रपत्र 21 में रजिस्टर तैयार किया गया। नियमानुसार 200 रूपयें की रसीद काटकर पट्टा दिया जाना चाहिए था, जबकि ग्राम पंचायत द्वारा नियम विरूद्ध 260 रूपयें की रसीद काटकर पट्टा जारी किया गया है। इसके साथ ही नियमानुसार नक्शा शुल्क की रसीद भी नही काटी गई है ना ही नक्शे पर नक्शा—नवीश के हस्ताक्षर है। ग्राम पंचायत बिलौची ने विधिक प्रावधानों को दरकिनार करते हुए

नियम 148(1)(2) के प्रपत्र 22 का नोटिस जारी किया गया है, परन्तु आपत्ति नोटिस को डिरपेच नही किया गया। यह नोटिस विधि विरूद्ध तरीके से 1 माह के स्थान पर 15 दिन का जारी किया गया था। जारी किये गये नोटिस/आपत्ति पत्र पर जारी करने की दिनांक व चरपादंगी पर साक्षी के हरताक्षर भी नही हुए है। पंचों की कमेटी द्वारा वादग्ररत स्थल का निरीक्षण किये जाने का कार्यवाही विवरण तैयार किया गया है, परन्तु संबंधित पत्रावली में पंचों के हरताक्षर नही है। केवल मात्र सरपंच के ही हरताक्षर है। पट्टा पत्रावली में पंचायत द्वारा निर्णय लिखा गया है, परन्तु उपरिथत सदस्यों के हस्ताक्षर नही कराये गये है। केवल मात्र सरपंच के हरताक्षर है। राजस्थान पंचायती राज. नियम 1996 के नियम 140 से 168 तक पट्टा जारी करने के प्रावधान है, परन्तु ग्राम पंचायत द्वारा उक्त नियमों का पालन नही कर घोर अवहेलना की है। गैर–निगरानीकार द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम पेश करते हुए निवेदन किया कि पंचायत समिति को वादग्ररत आदेश दिनांक 22.09.2008 की जानकारी नही रही। जानकारी में आने पर तत्काल निगरानी प्रस्तुत की गई है। अतः निगरानी प्रस्तुत करने में हुई विलम्ब को उपसमन किया जा कर प्रार्थना पत्र धारा 05 मियाद अधिनियम रवीकार करते हुए डिले कण्डोन किया जावें। ग्राम पंचायत बिलौंची द्वारा राजरथान पंचायती राज. अधिनियम, 1994 के नियमों की घोर अवहेलना करते हुए नियम विरूद्ध तरीके से निर्णय दिनांक 22.09.2008 पारित कर पट्टा सं0 883 विधि विरूद्ध तरीके से जारी किया गया है। अतः ग्राम पंचायत बिलौंची द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से पारित निर्णय दिनांक 22.09.2008 एवं उसकी अनुपालना में पारित किया गया पट्टा सं0 883 निरस्त किया जावें।

हमनें पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान् अधिवक्ता निगरानीकार की वहस को गौरपूर्वक सुना गया। पंचायत समिति द्वारा प्रस्तुत निगरानी के संलग्न प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम प्रस्तुत करते हुए तथा दौराने वहस विद्वान् अधिवक्ता निगरानीकार ने यह कथन किया है कि ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 22.09.2008 को पारित निर्णय सर्वथा नियम विरूद्ध है तथा उक्त निर्णय एवं पट्टे की जानकारी उनको नही थी। जानकारी प्राप्त होते ही उनके द्वारा निगरानी प्रस्तुत की गई है। निगरानीकार द्वारा प्रस्तुत तर्क के आधार पर प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 05 मियाद अधिनियम स्वीकार किया जाता है तथा डिले कण्डोन किया जाता है।

विकास अधिकारी, पंचायत समिति, आमेर द्वारा प्रस्तुत निगरानी एवं ग्राम पंचायत, बिलौंची द्वारा प्रेषित प्रमाणित पत्रावली का अवलोकन किये जाने पर यह रपष्ट है कि तत्कालीन सरपंच द्वारा नियमों को दर–किनार करते हुए पट्टे जारी किये गये है। पत्रावली में आवेदक श्री कजोडमल पुत्र श्री गणेशराम जाट, निवासी–ग्राम बिलौंची का प्रार्थना पत्र नही होना पाया गया है। सरपंच द्वारा विना आवेदन किये ही पट्टे देने की कार्यवाही की गई है। आज्ञा सूची के अनुसार दिनांक 05.08.2007 को 3 वार्ड पंचों की कमेटी बनाई गई थी, जिसके कोई आदेश पत्रावली में नही होना पाये गये है। जांच कमेटी को दिनांक 05.08.2007 को निरीक्षण के निर्देश प्रदान किये गये थे। जांच कमेटी द्वारा दिनांक 05.08.2007 को ही निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई। आपत्ति नोटिस का अवलोकन करने पर भी उसमें डिरपेच नं0 एवं दिनांक अंकित नही

होना पाया गया है। फैसला फार्म में केवल मात्र सरपंच के हस्ताक्षर है, सचिव के हस्ताक्षर नही होना पाये गये है। आज्ञाओ की सूची अनुसार दिनांक 06.08.2007 को 15 दिवस आक्षेप आमन्त्रित करने का नोटिस जारी करने का प्रस्ताव लिया गया है। जबकि नियमानुसार 1 माह का आपत्तिकाल होता है। पट्टे पर संकल्प संख्या का अंकन नही किया गया है। दोनो बयान फार्मो का अवलोकन करने पर पाया गया है कि जिनके बयान लिये गये है उनके ना तो बयान फार्म में हस्ताक्षर है ना ही उनके नाम, पता इत्यादि का कोई अंकन बयान फार्म किया गया है। जिला परिषद्, जयपुर द्वारा अवर सचिव (जांच) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज. विभाग, जयपुर के पत्रांक एफ3 (252)जांच/परावि/आमेर/जय./12/1386 दिनांक 21.03.2012 के पालना में 3 सदस्यीय कमेटी का गठन कर ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा जारी किये गये पट्टों की जांच कराई गई थी जिसमे जांच रिपोर्ट अनुसार पट्टे जारी करने की कार्यवाही केवल सरपंच स्तर पर ही किये जाने के कारण तत्कालीन सरपंच को दोषी माना गया है। इसी प्रकार संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग के आदेश क्रमांक पं.13 (1) (129) पं./12/898 दिनांक 22.05.2014 द्वारा भी श्री हीरालाल पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा सरपंच पर रहते हुए कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार एवं अपकीर्तिकर आचरण किये जाने के कारण दोषी माना गया है।

अतः उक्त विवेचनानुसार पंचायती राज. विभाग के आदेश की पालना में गठित कमेटी एवं संभागीय आयुक्त, जयपुर संभाग द्वारा तत्कालीन सरपंच ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा नियम विरूद्ध जारी किये गये पट्टो के संबध में दोषी माना गया है तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार भी तत्कालीन सरपंच ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा नियम विरूद्ध रूप से पट्टे जारी किया जाना पाया गया है। अतः सरपंच ग्राम पंचायत बिलौची द्वारा पारित निर्णय दिनांक 22.09.2008 अपास्त किया जाता है तथा सरपंच द्वारा जारी किया गया पट्टा सं0 883 निरस्त किया जाता है। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटाई जावे।

निर्णय सरे इजलास आज दिनांक 31.03.2021 सुनाया गया।

31.3.21

(डॉ. अशोक कुमार)

अतिरिक्त कलक्टर (चतुर्थ)

जयपुर

न्यायालय अतिरिक्त कलक्टर (चतुर्थ) जयपुर (राज.)